

भारतीयदर्शनम्
(347)
शिक्षक-अङ्गितमूल्याङ्कन-पत्रम्

पूर्णांका: : 20

निर्देशाः

- (i) सर्वेप्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्या अङ्गान् निर्दिशति।
 - (ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- | | |
|---|--|
| 1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) सांख्यशब्दस्यार्थं प्रतिपादयत। | (दृष्टव्यम्-1, सांख्यदर्शनस्य सामान्यपरिचयः) |
| (ख) सांख्यानां तत्त्वानि विभागेषु अन्तर्भावयत। | (दृष्टव्यम्-1, सांख्यदर्शनस्य सामान्यपरिचयः) |
| 2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) पुरुषबहुत्वे सांख्यसूत्रं किम्। लिखत। | (दृष्टव्यम्-2, सांख्यदर्शने प्रकृतिपुरुषगुणविचारः) |
| (ख) मूलप्रकृतिविषये लघुटिष्णी लेख्या। | (दृष्टव्यम्-2, सांख्यदर्शने प्रकृतिपुरुषगुणविचारः) |
| 3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) वेदान्तसम्मतं प्रमालक्षणं सरलकृत्यं विशदयत॥। | (दृष्टव्यम्-5, प्रत्यक्षखण्डे प्रमा) |
| (ख) उपाधिलक्षणे व्यावर्तकत्वस्य सार्थक्यम् उपपादयत। | (दृष्टव्यम्-5, प्रत्यक्षखण्डे प्रमा) |
| 4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्दात्मकं लिखत- | 4 |
| (क) ब्रह्मस्वरूपम् आलोचयत। | (दृष्टव्यम्-11, ब्रह्मा) |
| (ख) अनन्तपदं ब्रह्मा केभ्यो व्यावर्तयति। | (दृष्टव्यम्-11, ब्रह्मा) |
| 5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्दात्मकं लिखत- | 4 |
| (क) प्रकृति-स्वरूपं प्रतिपाद्यताम्। | (दृष्टव्यम्-1. सांख्यदर्शनस्य सामान्यपरिचयः) |
| (ख) सांख्यमते ईश्वरः स्वीक्रियते न वेति विचार्यताम्। (दृष्टव्यम्-2. सांख्यदर्शनस्य प्रकृतिपुरुषगुणविचारः) | |

6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत-

6

(क) पञ्चकोशविवेक-विषये विस्तरेण विचार्यताम।

(द्रष्टव्यम्-18. पञ्चकोशविवेकः)

(ख) जीवस्वरूपं विषयेविस्तरेण आलोचयत।

(द्रष्टव्यम्-17. अवस्थात्रयविचारः)